खाद्य सुरक्षा एवं समगतिषीलता पर संगोष्ठी आयोजित

पंतनगर। 8 जून, 2010। कृषि महाविद्यालय के सभागार में आज निजी क्षेत्र की कम्पनी 'धानुका एग्रीटेक लिमिटेड' ने पंतनगर विष्वविद्यालय के सहयोग से 'खाद्य सुरक्षा एवं समगतिषीलता की ओर सुनहरा सफर' विषयक संगोष्ठी का आयोजन किया। उद्घाटन सत्र के मुख्य अतिथि, पद्म विभूषण से सम्मानित ख्याति प्राप्त वैज्ञानिक, प्रो. आर.बी. सिंह थे।

संगोष्ठी की अध्यक्षता करते हुए कुलपति डा. बी.एस. बिष्ट ने पंतनगर विष्वविद्यालय एवं धानुका कम्पनी के स्वर्ण जयंती वर्ष 2010 को अद्भुत संयोग बताते हुए कम्पनी द्वारा जल संरक्षण हेतु चलाये जा रहे कार्यक्रम को महत्वपूर्ण एवं प्रासंगिक बताया। डा. बिष्ट ने इस अवसर पर विष्वविद्यालय द्वारा किये जा रहे कृषि विकास कार्यों एवं महत्वपूर्ण उपलब्धियों का उल्लेख किया। उन्होंने अगले पचास वर्षों में कृषि विकास के लिए दीर्घ–कालिक योजना बनाने तथा उस पर कार्य करने की आवष्यकता पर बल दिया। विष्वविद्यालय की दूरगामी योजना विजन 2030 का जिक्र करते हुए कुलपति ने ज्ञान आधारित कृषि को महत्वपूर्ण बताया तथा भविष्य की खाद्य समस्या को ध्यान में रखते हुए द्वितीय हरित क्रान्ति के मुख्य मुद्दों एवं बिन्दुओं को स्पष्ट करने की भी आवष्यकता बतायी। पर्वतीय कृषि के विकास के लिए किये जा रहे प्रयासों का उल्लेख करते हुए कुलपति डा. बिष्ट ने समाज के विकास को विष्वविद्यालय का मुख्य उद्देष्य बताया तथा धानुका कम्पनी के द्वारा किये जा रहे सामाजिक विकास के कार्यों में सहयोग का आष्वासन दिया।

इस अवसर पर प्रो. आर.बी. सिंह ने जलवायु परिवर्तन के कारण सिकुड़ रहे भूमि, जल, जैव–विविधता जैसे प्राकृतिक संसाधनों का उल्लेख करते हुए बताया कि इस कारण कीड़ों एवं रोगों का प्रकोप बढ़ने से भविष्य की खाद्य सुरक्षा बड़ी चुनौती बनती जा रही है। उन्होंने पारिस्थितिकी की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए रसायनों के विवेकपूर्ण एवं एकीकृत प्रयोग की आवष्यकता बतायी। धानुका कम्पनी के समूह अध्यक्ष, श्री आर.जी. अग्रवाल ने कम्पनी के कार्य प्रणाली एवं उद्देष्यों के बारे में जानकारी देते हुए कहा कि जल की एक–एक बूँद का संरक्षण करना हमारा लक्ष्य है। उन्होंने बताया कि धानुका कम्पनी मैनेज संस्थान के सहयोग से किसानों के लिए मृदा परीक्षण, सचल बीज उपचार मषीन के जरिये बीजोपचार के साथ–साथ वैज्ञानिक खेती की पूरी जानकारी देने का प्रयास कर रही है। श्री अग्रवाल ने इस अवसर पर कम्पनी के तरफ से विष्वविद्यालय के कृषि स्नातक के लिए रूपये दस हजार की छात्रवृत्ति प्रदान करने की भी घोषणा की। कार्यक्रम के प्रारम्भ में निदेषक, प्रसार, डा. वाई.पी. डबास ने विष्वविद्यालय के साथ–साथ धानुका कम्पनी के स्वर्ण जयंती के अवसर पर आयोजित इस संगोष्ठी को महत्वपूर्ण बताते हुए कार्यक्रम में उपस्थित अधिष्ठाता, निदेषकों एवं दूर–दूर से आये किसानों का स्वागत किया। डा. डबास ने इस संगोष्ठी से विषेष रूप से किसानों के लिए एक नयी दिषा मिलने की उम्मीद जतायी। कार्यक्रम के दौरान मंचासीन मुख्य अतिथि, अध्यक्ष एवं अन्य सम्मानित अधिकारियों को शाल ओढ़ाकर सम्मानित किया गया। कुलपति डा. बिष्ट ने धानुका कम्पनी के समूह अध्यक्ष, श्री आर.जी. अग्रवाल को प्रतीक चिन्ह देकर सम्मानित किया।

कार्यक्रम का संचालन प्रसार निदेषालय के डा. आर.पी. सिंह ने किया तथा अंत में निदेषक, शोध, डा. जे.पी. पाण्डे ने सभी को धन्यवाद ज्ञापित किया। संगोष्ठी के तकनीकी सत्र में निदेषक, प्रसार, डा. वाई.पी. एस. डबास की अध्यक्षता में भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के पूर्व सहायक महानिदेषक, प्रसार, डा. राजेन्द्र प्रसाद सिंह ने वर्तमान कृषि की विभिन्न पहलुओं पर प्रकाष डालते हुए विस्तृत जानकारी दी तथा वैकल्पिक उपायों के बारे में महत्वपूर्ण सुझाव दिये। विष्वविद्यालय के कीट विज्ञान विभाग के वैज्ञानिक, डा. एस.एन. तिवारी ने धान की खेती में एकीकृत नाषीजीव प्रबन्धन के बारे में उपयोगी जानकारी देते हुए प्रतिरोधी प्रजातियों के प्रयोग पर बल दिया।

चित्र सं.–1. संगोष्ठी के उद्घाटन सत्र में सम्बोधित करते हुए कुलपति डा. बी.एस. बिष्ट

चित्र सं.–2. श्री आर.जी. अग्रवाल, समूह अध्यक्ष, धानुका एग्रीटेक को प्रतीक चिन्ह प्रदान करते हुए कुलपति डा. बी.एस. बिष्ट